स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस

संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम सेमिनार/वर्कशाप/आनलाइन व्याख्यान

प्रो0 अशोक कुमार, कुलपति, निर्वान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान; अध्यक्ष, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहू जी महाराज एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय ने **कैंसर–जागरूकता एवं रोकथाम** विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि इस बार विश्व कैंसर दिवस की थीम है–CLOSE THE CARE GAP. उन्होंने कहा कि सब जानते हैं कि विगत 2 वर्षों में कोरोना महामारी के कारण विभिन्न प्रकार के अन्य रोगियों पर जिस प्रकार ध्यान कम गया, ठीक उसी प्रकार से कैंसर रोगियों के चिकित्सा पर पूरा ध्यान नहीं दिया गया। इसीलिए इस वर्ष कैंसर दिवस के अवसर पर यह एक विशेष अभियान चलाया जायेगा, जिससे कि कैंसर पीड़ित रोगियों का उचित उपचार हो, उनकी देखभाल हो तथा वह स्वस्थ रह सकें।

प्रश्नोत्तर सेशन में नारायना इंस्टीट्यूट के फार्मेसी विभाग के छात्र नवल किशोर ने पूछा क्या मसूड़ों में रक्तस्राव ओरल कैंसर का लक्षण है? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए डा0 एस0एन0 प्रसाद ने बताया मसूड़ों में रक्तस्राव के विभिन्न कारण हैं और इस संबंध में चिकित्सक की सलाह लेना अत्यंत आवश्यक है।

बी.एस.सी. एम.एल.टी. द्वितीय वर्ष के छात्र अनिल कुमार ने पूछा कि कैंसर से लड़ने में चुनौतियां क्या हैं? इस प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रो0 अशोक कुमार ने बताया कि कैंसर के विरूद्ध लड़ाई व्यक्ति पर निर्भर है। व्यक्ति यदि उचित जीवन शैली, नियमित रूप से खानपान एवं व्यायाम करता है तो वह कैंसर से काफी हद तक बच सकता है।

इस वेबिनार में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, डा0 सुधांशु पाण्डिया, डॉ0 राशि अग्रवाल, डॉ0 संदेश गुप्ता, डॉ0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, सहमीडिया प्रभारी डा0 विवेक सिंह सचान व अन्य शिक्षकगण व देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थी, शिक्षकगण, इण्टरनेशनल सोसाइटी फार लाइफ साइंसेस के सचिव डॉ0 हेमंत पारिक तथा फाइट अगेंस्ट कैंसर अभियान के सचिव डॉ0 मुकेश कुमार शर्मा उपस्थित थे।

1. 07 एवं 08 अप्रैल, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स (Myofascial Release Techniques) विषय पर दो दिवस फिजियोथिरैपी कार्यशाला

स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में ''मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स'' विषय पर चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन मुख्य वक्ता प्रो0 अरूणमोझी रंगनाथन ने विद्यार्थियों को शरीर के अलग–अलग हिस्सों में मांसपेशीय से संबंधित जटिलताओं में प्रयोग की जाने वाली मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक्स के विषय में विस्तृत व्यवहारिक एवं सैद्धान्तिक चर्चा की।

मांसपेशियों के खिंचाव में नैनो टेक्नोलॉजी होती बेहद कारगर

मायोफेशियल रिलीज के सिद्धांत

इस दो दिवसीय कार्यशाला में संस्थान के प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों को पूछा जिसको डा0 अरूणमोझी रंगनाथन बड़े ही सरल और व्यवहारिक ढंग से समझाया। प्रतिभागियों में कार्यशाला को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने इस तरह की कार्यशालायें भविष्य में निरंतर होती रहें ऐसी अपेक्षा भी की।

कार्यशाला के समापन सत्र में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा ने एस.बी.एस. विश्वविद्यालय, देहरादून से पधारे प्रो0 अरूणमोझी रंगनाथन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा मायाफेशियल रिलीज टेक्नीक्स पर की गयी कार्यशाला प्रतिभागियों के लिए निश्चित ही उनके व्यवसायिक प्रगति में सहायक होगी। इसी के साथ निदेशक महोदय ने प्रतिभागियों और संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों आदि के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

समापन अवसर पर सहनिदेशक डा0 मुनीष रस्तोगी व संस्थान के शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, सुश्री आकांक्षा बाजेपयी एवं श्री हरीश चन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

9. 22 अप्रैल, 2022 को सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस पर कार्यक्रमों का आयोजन

दिनांक 22–04–2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में मा0 यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा से स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस एवं नेशनल कैडेट कार्पस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय 'सड़क सुरक्षा सप्ताह एवं विश्व पृथ्वी दिवस' कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने दीप प्रज्जवलित करके किया। दीप प्रज्जवलन में मुख्य अतिथि ए.आर.टी.ओ., कानपुर नगर श्री सुनील दत्त जी व श्री विनय पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि डा0 सुबोध प्रकाश, ए.सी.पी. कानपुर श्री दिनेश शुक्ला जी, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा एवं संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने सड़क सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां छात्रों को उपलब्ध करायीं साथ ही विश्व पृथ्वी दिवस पर यह समझाया कि विकास की दौड़ में हम सब की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम पर्यावरण संतुलन को कतई बिगड़ने न दें अन्यथा टेहरी नगर की तरह प्रकृति हमको गंभीर परिणाम प्रदान करेगी। उन्होंने पेड़ों की महत्वता बताते हुए कहा कि सम्पूर्ण जीवन पेड़ हमें मौन रहकर स्वच्छ वायु का योगदान देते रहते हैं। अतः हमें इनको अपने पुत्र एवं पुत्री की तरह ही समझना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि कानपुर नगर के ए.सी.एम.ओ. डा0 सुबोध प्रकाश जी ने भी उक्त विषय के संदर्भ में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। साथ ही ए.सी.पी. श्री दिनेश शुक्ला जी ने यातायात सुरक्षा के नियमों के संदर्भ में यह बताया कि हमें वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात नहीं करनी चाहिए, सीट बेल्ट का हमेश प्रयोग करना चाहिए, नशे में वाहन नहीं चलाना चाहिए एवं दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए। ट्रैफिक ट्रेनर श्री शिव सिंह चोखर जी ने अत्यंत सरल भाषा में छात्र–छात्राओं को ट्रैफिक नियमों के बारे में अवगत कराया एवं नेशनल कैडेट कार्पस की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अति महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

अतिथियों का स्वागत स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, वरिष्ठ शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, डा0 के0के0 पाण्डेय, डा0 सिधांशु राय, डा0 राम किशोर एवं अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

मंच का संचालन एन.सी.सी. कैडेट इंचार्ज श्रीमती अर्पणा कटियार ने किया।

सीएसजेएमयू में सड़क सुरक्षा के विषय पर सेमिनार आयोजित

पृथ्वी बचाओ दिवस : पर्यावरण संरक्षण पर हुयी चर्चा

11. 23 अप्रैल, 2022 को सर्टिफिकेट कोर्स इन थेराप्यूटिक टेपिंग प्रैक्टिशनर, माड्यूल–1 व 2

दिनांक 23 अप्रैल, 2022 दिन, शनिवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं संरक्षण में भौतिक कार्यशाला श्रृंखला के क्रम में ''सर्टिफिकेट कोर्स इन थेराप्यूटिक टेपिंग प्रैक्टिशनर, माड्यूल–01 एवं 02 (Certificate Course in Therapeutic Taping Practitioner] Module&1 & 2) विषय पर दूसरी कार्यशाला का शुभारम्भ डा0 संजय रस्तोगी, पूर्व प्रोफेसर, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, प्रो0 संजय कुमार स्वर्ण, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव, निदेशक एवं प्रशिक्षक, टेपिंग एप्टीट्यूड इंडिया, लखनऊ, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, वरिष्ठ शिक्षक डा0 वर्षा प्रसाद, डा0 राम किशोर आदि ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

कार्यशाला में आए अतिथियों के स्वागत के क्रम में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी एवं प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यशाला मा0 कुलपति जी एवं प्रति कुलपति महोदय की प्रेरणा और उनके संरक्षण में संपन्न होने जा रही है। मा0 कुलपति महोदय समय–समय पर छात्र हित में बहुउपयोगी कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं। इसी के साथ विशिष्ट अतिथि प्रो0 संजय रस्तोगी, मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, प्रो0 संजय कुमार स्वर्णकार आदि अतिथियों को अंगवस्त्र और तुलसी पादप देकर स्वागत किया।

कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रोफेसर, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर डा0 संजय रस्तोगी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्पोर्ट्स इंजरी प्रवेनशन में इस टेक्नीक का महत्वपूर्ण योगदान है। साथ ही रिहैबिलिटेशन में टीम वर्क की भी आवश्यकता है, साथ में उन्होंने इस विषय पर गहरी समझ की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

कार्याशाला के मुख्य वक्ता डा0 रोहित श्रीवास्तव जो कि टेपिंग एप्टीट्यूड इंडिया, लखनऊ के निदेशक एवं प्रशिक्षक हैं, ने इस तथ्य पर जोर दिया कि स्पोर्ट्स इंजरी में टेपिंग टेक्नीक विशेष लाभप्रद है। मरीज की मांसपेशी करेक्शन एवं साफ्ट टिस्सू इंजरी या मांसपेशी की इंजरी में इस तकनीक का विशेष योगदान है। इसको करने के लिए हमको कंसेप्ट समझने की जरूरत है। डा0 रोहित श्रीवास्तव स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस के प्रथम बैच के एल्यूमिनाई भी हैं और टेपिंग टेक्नीक की ट्रेनिंग इन्होंने विदेश से प्राप्त की है।

विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो0 संजय कुमार स्वर्णकार ने कहा कि इस तकनीक को 1970 में जापान के एक चिकित्सक डा0 केंजोकेस ने शुभारम्भ किया था। सन् 1980 में उन्होंने अपने मरीजों पर इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया। धीर–धीरे इस विधा का प्रचार–प्रसार बढ़ता गया और सन् 1990 के दशक तक इस विधा द्वारा बड़ी संख्या में कई मरीज लाभान्वित हुए।

संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी ने कार्यशाला में आए हुए अतिथियों के प्रति अपना अभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह विधा मरीजों की अत्यंत लाभप्रद है साथ ही यह भी जानने की जरूरत है कि किस प्रकार के रोगियों के लिए यह तकनीक अधिक उपयुक्त होगी।

उद्घाटन सत्र का संचालन संस्थान की शिक्षिका कु0 आकांक्षा बाजपेयी द्वारा किया गया।

इस कार्यशाला में संस्थान के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, डा0 अनामिका दीक्षित, कु0 आमेना जैदी आदि उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स इंजरी में टेपिंग टेक्निक को फायदेमंद

▸ सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस में थेराप्यूटिक टेपिंग पर कार्यशाला

1. 06 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 06–05–2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला ''मोबीलाइजेशन आफ पेरीफेरल ज्वाइंट एण्ड वरटेबरल कालम एड्रेसिंग मेटलैण्ड कांसेप्ट (Mobilization of peripheral joint and vertebral column addressing maitland concept) विषय पर शुभारम्भ विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन एवं अनुमति से प्रारम्भ हुयी।

सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफहेल्थ साइंस में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

अमन यात्रा ब्यूरो

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का विषय ''मोबिलाइजेशन ऑफ पेरीफेरल ज्वाइंट एंड वर्टेब्रल कॉलम एड्रेसिंग मेटलैंड कांसेप्ट'' रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने कहा कि वर्तमान समय में स्पाइनल इंजरी एक आम बात हो गयी है, जिसका मुख्य कारण बाइक ड्राइविंग, बैठने का गलत तरीका, खराब जीवनशैली, व्यायाम न करना आदि है। इस पर ध्यान देने की सबसे ज्यादा जरुरत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशाला से छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों का भी ज्ञान वर्धन होता है। कार्यशाला से छात्र-छात्राओं को अपने चिकित्सा के दौरान सहायता मिलेगी और वे स्पाइनल इंजरी के रोगियों का और बेहतर तरीके से निदान कर पायेंगे।

मुख्य वक्ता प्रो. मनु गोयल, प्रधानाचार्य, एम.एम.आई.पी.आर., महर्षि मार्कण्डेश्वर डीम्ड यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा ने कहा कि मेटलैण्ड तकनीक को रटने की बजाय इसके सिद्धांत को समझना अधिक उपयुक्त होगा। अतः प्रत्येक प्रतिभागी को इसके सिद्धांतों को समझकर अपने व्यवसायिक जीवन में प्रयोग करने का प्रयास का प्रयास करना चाहिये।

संस्थान के निदेशक डॉ. दिग्विजय शर्मा ने इस तकनीक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बहुत पहले से चिकित्सा जगत में प्रयोग में लायी जा रही है। उन्होंने बताया कि मेटलैण्ड कांसेप्ट एक टीम द्वारा विकसित की गयी एक तकनीक है, जिस टीम का नेतृत्व ''ज्योफरे डगलस मेटलैण्ड'' द्वारा किया गया था, इसीलिए इस पद्धति को 'मेटलैण्ड तकनीक' के नाम से जाना जाता है।

उद्घाटन सत्र में संस्थान के सह निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी ने अतिथियों का परिचय कराते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। सत्र का संचालन संस्थान की सहायक आचार्या आकांक्षा बाजपेयी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. वर्षा प्रसाद, चन्द्र शेखर कुमार, डॉ. के.के. पाण्डेय, हिना वैश, आदर्श कुमार श्रीवास्तव, डॉ. राम किशोर तथा छात्र-छात्राओं की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

कार्यशाला का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य वक्ता प्रो0 मनु गोयल, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी आदि ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

दीप प्रज्ज्वलन के बाद संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने आए हुए अतिथियों के स्वागत में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि मेटलैण्ड कांसेप्ट एक टीम के द्वारा विकसित की गयी एक तकनीक है, जिस टीम का नेतृत्व 'ज्योफरे डगलस मेटलैण्ड' द्वारा किया गया था, जिसके कारण इस पद्धति को 'मेटलैण्ड तकनीक' के नाम से जाना जाता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में स्पाइनल इंजरी एक आम बात हो गयी है, जिसका मुख्य कारण बाइक ड्राइविंग, गलत पोस्चर आदि हैं। स्पाइनल कार्ड मस्तिष्क का महत्वपूर्ण भाग है जो मानव शरीर की समस्त गतिविधियों का आधार है। निश्चित ही आज की कार्यशाला में भाग ले रहे छात्र–छात्राओं को अपने चिकित्सा के दौरान उपयोगी होगी और वे स्पाइनल इंजरी के रोगियों का और बेहतर तरीके से निदान कर पायेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 मनु गोयल, प्रधानाचार्य, एम.एम.आई.पी.आर., महर्षि मार्कण्डेश्वर डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, अम्बाला, हरियाणा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति मा0 प्रो0 विनय कुमार पाठक जी के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनकी अनुमति से मुझे कानपुर आने का प्रथम अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि विषय बहुत ही व्यापक है, जिसे दो दिन की कार्यशाला में संपूर्णता प्रदान करना मुश्किल है परंतु मैं पूरी कोशिश करूंगा कि विषय को अधिक से अधिक समायोजित किया जा सके। मेटलैण्ड तकनीक को रटने की बजाय इसके सिद्धांत को समझना अधिक उपयुक्त होगा। अतः प्रत्येक प्रतिभागी से मेरा परामर्श है कि इसके सिद्धांतों को समझकर अपने व्यवसायिक जीवन में उसका प्रयोग करने का प्रयास करें।

संस्थान के सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी जी ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों, मीडिया के स्वजनों एवं छात्र–छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन संस्थान की सहायक आचार्या आकांक्षा बाजपेयी महोदया द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र में संस्थान की वरिष्ठ शिक्षिका डा0 वर्षा प्रसाद, श्री चन्द्र शेखर कुमार, डा0 के0के0 पाण्डेय, कु0 हिना वैश, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, डा0 राम किशोर आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

5. 19 मई, 2022 को स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस द्वारा बायोमेडिक वेस्ट मैनेजमेंट पर एक दिवसीय कार्याशाला का आयोजन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं संरक्षण में एकदिवसीय कार्यशाला **"बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट"** विषय पर का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति, प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी, मुख्य वक्ता डा0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह, डिवीजनल कन्सलटेंट, क्वालिटी एश्योरेंस, कानपुर, विशिष्ट अतिथि प्रो0 सुमनलता वर्मा, विभागाध्यक्ष, पैथोलॉजी, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कालेज, कानपुर, संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा, सह निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी, कार्यशाला समन्वयक डा0 वर्षा प्रसाद आदि ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया।

कार्यशाला में आए अतिथियों के स्वागत के क्रम में संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक जी एवं प्रति कुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा आयोजित यह कार्यशाला मा0 कुलपति जी एवं प्रति कुलपति महोदय की प्रेरणा और उनके संरक्षण में संपन्न होने जा रही है। मा0 कुलपति महोदय समय–समय पर छात्र व

समाज हित में बहुउपयोगी कार्यशालाओं को आयोजित करने के लिए सदैव प्रेरित करते रहते हैं। इसी क्रम में आज **"बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट"** विषय पर कार्यशाला आयोजित हो रही है। डा0 शर्मा ने बताया इस कोर्स की बढ़ती हुयी मांग को देखते हुए मा0 कुलपति महोदय के आदेशानुसार इस कोर्स की सीटें भी बढ़ायी जा रही हैं।

बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट बेहद आवश्यक- प्रो अवस्थी

स्कूल ऑफहेल्थ साइंसेस में कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह जी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि बायोमेडिकल वेस्ट का सही तरीके से मैनेजमेंट न होने के कारण यह एक गम्भीर समस्या का रूप धारण कर रही है। इसके प्रबंधन के लिए उन्होंने 4R पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह 4R (R-Reduce, R-Reuse, R-Recycle, R-Recover) वेस्ट के प्रबंधन के आधारभूत स्तम्भ हैं। इस समस्या के लिए वह प्रत्येक व्यक्ति जिम्मेदार है जो कचरे के उत्पादन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार है। अतः हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि कचरे के कम से कम उत्पादन उनके पुनः इस्तेमाल, सुव्यवस्थित तरीके से निस्तारण आदि के प्रति सजग रहें।
कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रो0 सुमनलता वर्मा महोदया ने अपने विचार रखते हुए कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से मेरा संबंध 1981 है। उन्होंने विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति महोदय व प्रतिकुलपति महोदय को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके दूरगामी दृष्टिकोण के कारण यह विश्वविद्यालय तेजी से नये आयामों को हासिल कर रहा है। यहां के छात्र और फैकल्टी भी बहुत ही कर्मठ हैं। प्रो0 वर्मा ने पिछले 16 वर्षों से स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में उच्च कोटि के मेडिकल लैब टेक्नीशियन अपनी विधा में पारंगत होकर भारत वर्ष के विभिन्न नामी संसाधनों में जैसे एम्स दिल्ली, आर.एम.एल. लखनऊ, जी.एस.वी.एम. कानपुर, जी.एम.सी. कन्नौज, एस.जी.पी.जी.आई. लखनऊ, सैफई आदि में अपनी सेवायें दे रहे हैं। साथ ही यहां से उत्तीर्ण कई छात्र विदेशों में कार्यरत हैं। यह संस्थान अपनी प्रशिक्षण एवं प्रयोगशालाओं की उच्चगुणवत्ता के लिए जाना जाता है।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि व विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो0 सुधीर कुमार अवस्थी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सबसे पहले मैं संस्थान को अनवरत अकादमिक आयोजनों हेतु शुभकामनायें देता हूँ। उन्होंने कहा कि बायोमेडिकल वेस्टेज के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के खतरनाक वेस्टेज, केमिकल्स आदि आते हैं। अतः इनका निस्तारण ठीक प्रकार से कैसे हो सकता है इसका प्रशिक्षण मेडिकल और संबंधित संस्थानों से जुड़े सभी लोगों को होना चाहिए। सभी सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों को गंभीरतापूर्वक इसके निस्तारण हेतु ध्यान देना चाहिए। अन्यथा जहां हम एक ओर चिकित्सा द्वारा लोगों को रोगमुक्त करते हैं वहीं दूसरी ओर बायोमेडिकल वेस्टेज के सुव्यवस्थित प्रबंधन न होने के कारण अनेकों लोगों को संक्रमित व असंक्रमित रोगों से ग्रसित करते हैं।
कार्यशाला समन्वयक डा0 वर्षा प्रसाद जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा वर्तमान समय में बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की आवश्यकता है, क्योंकि वर्तमान समय में जिस प्रकार से अस्पतालों/क्लीनिक/डिसपेन्सरी/नर्सिंग होम/पशु चिकित्सालय/ब्लड बैंक/पैथोलॉजी लैबोरेट्री के द्वारा उत्पन्न बायोमेडिकल वेस्ट विभिन्न प्रकार के संक्रामक व असंक्रामक रोगों का कारण बन रहा है। अतः यह आवश्यक हो जाता है कि उचित तरीके से इन स्थानों से निकलने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का निवारण बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट एण्ड हैण्डलिंग एक्ट–1998 के अनुसार किय जाये। प्रायः देखा जाता हे कि हेल्थ केयर वर्कर को इस एक्ट का ज्ञान एवं जागरूकता नही होती है। जानकारी के अभाव में जाने–अनजाने मरीज, परिजन एवं आम जनता में अनेकों रोग का कारण बनता है।

संस्थान के सहायक निदेशक, डा0 मुनीश रस्तोगी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अतिथियों, मीडियाकर्मी, संस्थान के सभी फैकल्टी एवं छात्र–छात्राओं के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की यह कार्यशाला हम सभी के लिए काफी उपयोगी होगी।

इस कार्यशाला में संस्थान के शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, डा0 कौशलेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्री आदर्श कुमार श्रीवास्तव, कु0 हिना वैश, डा0 अनामिका दीक्षित, कु0 आमेना जैदी, डा0 राम किशोर आदि उपस्थित रहे।

6. 24 जून, 2022 याग महात्सव

मानवता ही एक मात्र विश्व समस्याओं का समाधान : स्वामी भारत भूषण (पद्मश्री)

आज दिनांक 24 जून 2022 छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के सभागार में ''मानवता के लिए योग'' प्रथम पद्मश्री योग गुरु स्वामी भारत भूषण महाराज जी ने कहा मानवता ही मानव जीवन का नैसर्गिक धर्म हैं। यह प्रत्येक मानव में स्वभाविक रूप से पाया जाता हैं, योग से विकसित होकर यह सम्पूर्णता को प्राप्त होता हैं।

'योग उत्सव' का शुभारंभ श्रद्धेय पद्श्री जी भारतभूषण महाराज, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, आयुर्वेदाचार्य डॉ. वन्दना पाठक, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, हेल्थ साइस निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा आदि ने दीप प्रज्जवलन करके किया। दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त संगीत विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना तदोपरान्त अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि श्रद्धेय स्वामी जी का स्वागत माननीय कुलपति महोदय और डा. वंदना पाठक द्वारा तुलसी पादप, अंगवस्त्र, और स्मृतिचन्ह देकर किया। कार्यक्रम अध्यक्ष मा. कुलपति, प्रो. पाठक जी का स्वागत हेल्थ साइंस निदेशक डा. दिग्विजय शर्मा, प्रतिकुलपति, प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी जी का स्वागत सहा. निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी, डॉ. वंदना पाठक महोदया का स्वागत अकांक्षा और संजना और माननीय कुलसचिव जी का स्वागत डा. आशीष कुमार दुबे और डा. श्रवण कुमार यादव जी ने किया।

अतिथियों के प्रति अपने स्वागत उदगार व्यक्त करते हुए डा. दिग्विजय षर्मा ने बताया कि माननीय कुलपति महोदय की प्रेरणा से स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज और शारीरिक शिक्षा विभाग ने मिलकर आठवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विविध आयोजन सम्पन्न किये, इनमें शामिल प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वि.वि. के प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी जी ने श्रद्धेय स्वामी पद्मश्री का परिचय देते हुए स्वामी जी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। देश और विदेश में योग की ध्वजा पहराने वाले पद्मश्री को कौन नहीं जानता।

विशिष्ट अतिथि व आयुर्वेदाचार्य डॉ वंदना पाठक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा योग तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है हमारी दिनचर्या को नियमित करता है। युवाओं और छात्र–छात्राओं को योग का नियमित अभ्यास अवश्य करना चाहिए। आसन प्राणायाम आदि के नियमित अभ्यास से बौद्धिक क्षमता का विकास और गलत पोस्चर के कारण होने वाली समस्याओं से आपे आपको बचाया जा सकता है।

सीएसजेएमयू में हुआ योग महोत्सव का आयोजन

CSJMU organises special session on yoga

1. दिनाक 02.12.2022, योग व्याख्यान

वक्ता – डा0 निधीष यादव, योग संकाय, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

आज दिनांक 02 दिसम्बर, 2022 दिन शुक्रवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस सभागार में ''वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हठयोग के व्यवहारिक पक्ष'' विषय पर **डा0 निधीष यादव, योग संकाय, पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार** ने उपस्थित छात्र–छात्राओं और शिक्षकों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए।

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
कानपुर समाचार
03 दिसम्बर 2022 3

योग पर व्यापक शोध की संभावनाएं हैं

सीएसजेयू में हठ योग के व्यवहारिक पक्ष पर व्याख्यान का आयोजन

कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक डा0 दिग्विजय शर्मा जी द्वारा मुख्य वक्ता को अंगवस्त्र एवं तुलसी पादप भेंट के साथ हुआ।

संस्थान के सहायक योगाचार्य डा0 राम किशोर जी ने बताया कि डा0 निधीष यादव, राष्ट्रीय योग संस्थान मोरारजी देसाई, कैवल्य धाम आदि देश के जाने–माने योग संस्थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और वर्तमान में पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार में अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

मुख्य वक्ता डा0 निधीष यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग विषय में व्यापक शोध की संभावनाएं विद्यमान हैं। छात्रों को इस विषय में नये अनुसंधान करने के लिए सर्वप्रथम योगिक ग्रंथों का अध्ययन और उनके वैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण पर जोर देना चाहिए। यही समय की मांग है। ग्रंथों में योग के जो भी सूत्र प्रतिपादित हैं उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे उपयोगी बनाया जा सकता है, इस विषय पर उन्होंने जोर दिया। उन्होंने पश्चिमोत्तान आसन, ताड़ आसन आदि की पारंपरिक विधि और उसके वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक पक्ष को बहुत ही सरलता एवं रोचकपूर्ण ढंग से विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में श्री हरीश शर्मा जी ने डा0 यादव, उपस्थित सभी शिक्षकगण और छात्र–छात्राओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

आज के इस व्याख्यान में संस्थान के सहायक निदेशक डा0 मुनीश रस्तोगी व शिक्षक श्री चन्द्रशेखर कुमार, श्रीमती नेहा शुक्ला, सुश्री हिना वैश, सुश्री आकांक्षा बाजपेयी, डा0 अनामिका दीक्षित, सुश्री आमेना जैदी, श्री धीरज कुमार, श्रीमती वर्तिका श्रीवास्तव आदि एवं संस्थान के छात्र–छात्रायें उपस्थित थे।